

उनकी संवेदनशीलता की वजह से कहना चाहता हूँ कि इस मामले को वार लेवर पर लेकर प्रयास करना चाहिए। जो कम उम्र के 3 लाख से ज्यादा बच्चे हैं, जिनसे तमाम तरह के खराब काम कराए जाते हैं, जिनसे भीख माँगने से लेकर प्रॉस्टिट्यूशन तक कराया जाता है, इस पर सारा सदन गम्भीरता के साथ विचार करे।

**Restriction on disbursement of certain medicines to
MPs in CGHS dispensaries**

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं अपने इस नोटिस के माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। श्रीमन्, एम.पी.जी और उनके परिवार के लिए मेडिसिन, मेडिकल इन्वेस्टिगेशन और हॉस्पिटल में इलाज कराने की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग करता है। उसमें यह व्यवस्था थी कि हम किसी भी डॉक्टर को दिखाएं, वह जो प्रिस्क्रिप्शन देगा, हम वह प्रिस्क्रिप्शन भेज देते थे, तो एल.पी. के माध्यम से दवा मिल जाती थी। अगर हम किसी भी हॉस्पिटल में इलाज कराते थे या हमारा परिवार इलाज कराता था, तो उस पर्चे के आधार पर रिइम्बर्समेंट हो जाता था। 25 सितम्बर, 2014 को स्वास्थ्य विभाग, चूंकि अच्छे दिन आ गए हैं, ने एक जीओ जारी कर दिया, जिसमें कुछ प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। इसमें यह कहा गया कि अगर इस-इस कंपोनेंट की दवाएं ही होंगी, तो एम.पी. को अवेलेबल होंगी, नहीं, तो अवेलेबल नहीं होंगी। इसमें यह भी कहा गया कि अगर आप इन्वेस्टिगेशन बाहर कराएंगे, तो आपके इन्वेस्टिगेशन के रिइम्बर्समेंट का जो रेट होगा, सी.जी.एच.एस. सिस्टम में जो रेट है, वह होगा। अगर आप हॉस्पिटल का रिइम्बर्समेंट भी लेंगे, तो आपका रेट यह होगा। श्रीमन्, मैं नहीं समझ पाया कि यह क्यों है? हम देखते हैं कि सारे राज्यों में एम.एल.एज को फ्री फैसिलिटीज मिलती हैं। डॉक्टरों को दवाएं लिख देते हैं, वे एल.पी. के माध्यम से मिल जाती हैं। हमारे उत्तर प्रदेश में यह सारी व्यवस्था एल.पी. के माध्यम से हो रही है। अभी तक हो रही है। क्या आपको एम.पी.जी पर शक है? अगर शक नहीं है, तो फिर प्रतिबंध क्यों लगाया गया? क्या कोई मेडिसिन के नाम पर फ्रॉडगिरी करेगा? क्या कोई एम.पी. अपने परिवार की फर्जी पर्चा लगा कर दवा लेने का प्रयास करेगा? मैं नहीं समझ पाया कि आशंका क्यों की गई और किस अधिकारी के कहने पर की गई? पूरा सदन बैठा हुआ है। मैं पूरे सदन के एम.पी.जी और उस सदन के एम.पी.जी की भी बात कर रहा हूँ। यह जो आपका जीओ है, जिसमें ये प्रतिबंध लगाए गए हैं, उसको तुरंत समाप्त किया जाए और जैसा पहले चल रहा था, उस व्यवस्था को चालू रखा जाए, जिससे एम.पी.जी और उनके परिवार सही तरीके से अपना इलाज करा सकें। **...(व्यवधान)...** अगर हम इनके डॉक्टरों से इलाज करा रहे हैं **...(व्यवधान)...** तो यह एलाऊ किया जाए। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी, मैं चाहूंगा कि यह एम.पी.जी से जुड़ा सवाल है, अगर आप सदन में खड़े होकर इसकी रिप्लाय दे देंगे, तो ज्यादा अच्छा होगा।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश) : महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूँ कि सी.जी.एच.एस. **...(व्यवधान)...**

SHRI A.U. SINGH DEO (Odisha) : Sir, I associate myself with the issue. **...(Interruptions)...**

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Yes, all hon. Members associate themselves with this. ...*(Interruptions)*...

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : डिप्टी चेयरमैन सर, ...(व्यवधान)...

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव (बिहार) : सर, सारे एम.पी.जे. परेशान हैं, यह सब लोगों की दिक्कत है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए, यह हो जाएगा ...(व्यवधान)... मंत्री जी आपको इसके बारे में बताएँगे। ...(व्यवधान)... मैं आपको बुलाऊंगा। श्री शान्ताराम नायक।

Sand erosion at Baga beach in Goa

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa): Sir, Baga Beach is a beach close to the famous Calangute Beach in the North Goa and is badly affected by sand erosion. According to reports, the locals including the fishermen, shack owners and water sports boat operators have expressed concern over the damage the beach has suffered and called for immediate measures. Due to sand erosion it is becoming difficult for the fishermen to navigate their boats along the creek. An old retaining wall constructed some time back was washed away. Due to sand erosion, boatmen have to operate their boats 80 metres from the beach and tourists have to wade through water during high tides to reach the boats. The world famous beaches of Goa are facing a threat from nature as well as from humans. About 20 per cent of 105 kms of Goa's coastline has been affected by erosion.

Some of Goa's beaches could disappear if immediate efforts are not made to save them. Beaches in Pernem and Bardez talukas in North Goa as well as Salcete and Canacona talukas in South Goa are most affected due to continuous erosion in the recent past. Well-known and popular beaches like Morjim, Calangute, Baga, Sinquerim, Anjuna, Candolim, Coco, Donapaula, Colva, Polem and Palolem are more affected.

Apart from beaches, the Colvale area in North Goa and Talpona River in South Goa also face erosion. During monsoon the coast faces tidal erosion as saline water combines with monsoon water eroding the coastline and even coastal properties.